3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रखने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

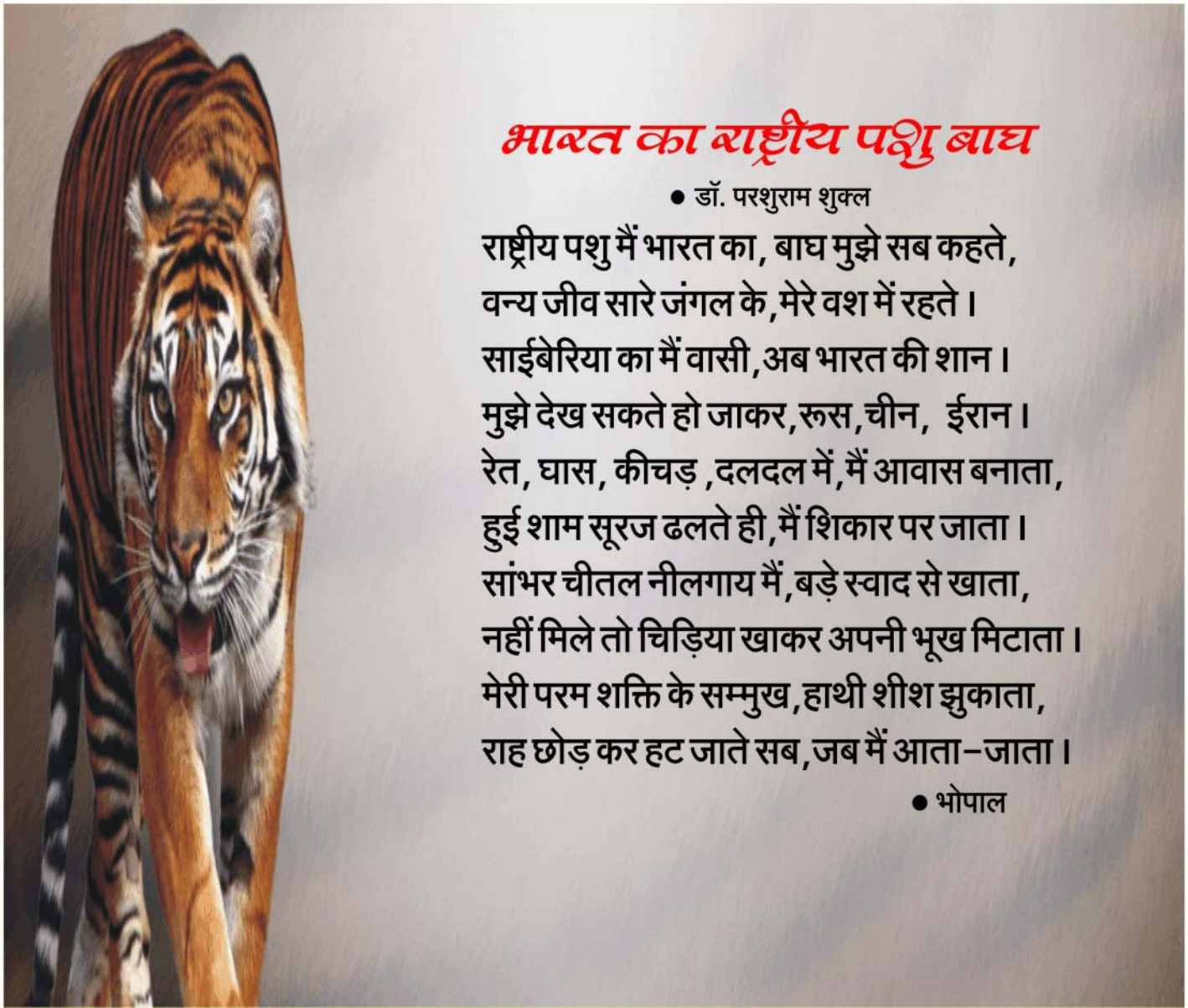

भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ

● डॉ. परशुराम शुक्ल

राष्ट्रीय पशु मैं भारत का, बाघ मुझे सब कहते,
वन्य जीव सारे जंगल के, मेरे वश में रहते।
साईबेरिया का मैं वासी, अब भारत की शान।
मुझे देख सकते हो जाकर, रूस, चीन, ईरान।
रेत, घास, कीचड़, दलदल में, मैं आवास बनाता,
हुई शाम सूरज ढलते ही, मैं शिकार पर जाता।
सांभर चीतल नीलगाय मैं, बड़े स्वाद से खाता,
नहीं मिले तो चिड़िया खाकर अपनी भूख मिटाता।
मेरी परम शक्ति के सम्मुख, हाथी शीश झुकाता,
राह छोड़ कर हट जाते सब, जब मैं आता-जाता।

● भोपाल